



[Time: 2 Hours]

[Marks: 60]

Please check whether you have got the right question paper

- N.B:**
1. Answer **any five** Questions from Q. No. 1 to Q. No. 8 and Q. No. 9 is compulsory.
 2. Marks are indicated against each question.
 3. Students answering in regional languages should refer to the English Paper in case of any doubt.

- | | | |
|-------------|--|-------------|
| Q. 1 | “Protection of Women from Domestic Violence Act, 2005 is an act which protects women rights more effectively” Justify with reference to provisions of act. | 10 M |
| Q. 2 | Explain Millennium Development goal for Promoting gender equality and empowerment. | 10 M |
| Q. 3 | Elaborate the concept of equity and equality. | 10 M |
| Q. 4 | Elucidate the strategies to cope up with issues related to gender biasness. | 10 M |
| Q. 5 | “Curriculum and textbooks play a major role in addressing gender challenges” Justify the statement. | 10 M |
| Q. 6 | Elaborate the role of any two contemporary Indian women role models in promoting women empowerment. | 10 M |
| Q. 7 | “Sexual abuses are associated with adverse outcomes that may change into risk of revictimization.” Justify the statement in the context of issues and effects of sexual abuse. | 10 M |
| Q. 8 | Explain the sociological perspective of emerging gender specific role in the society. | 10 M |
| Q. 9 | Attempt any two of the following. | 10 M |
| a | Remedies to deal with work place discrimination | |
| b | Influence of films on gender identity | |
| c | Any three features of Protection of child from Sexual Offences (POCSO) Act, 2012 | |
| d | Role of women's action groups in overcoming gender challenges | |



मराठी अनुवाद

वळे: २ तास

गुण: ६०

- प्र.१ “कौटुंबिक हिंसाचारापासून महिलांचे संरक्षण कायदा, २००५ हा महिलांच्या अधिकारांचे अधिक प्रभावीपणे संरक्षण करणारा कायदा आहे”. कायद्याच्या तरतुदींच्या संदर्भात समर्थन करा. १०
- प्र.२ लिंगभाव समानता आणि सशक्तीकरणाला चालना देण्यासाठी सहस्राब्दी विकासाची ध्येय स्पष्ट करा. १०
- प्र.३ समता आणि समानता या संकल्पना विशद करा. १०
- प्र.४ लिंगभाव पूर्वाग्रहाशी संबंधित समस्यांचा सामना करण्यासाठी धोरणे विशद करा. १०
- प्र.५ “अभ्यासक्रम आणि पाठ्यपुस्तके लिंगभाव आव्हानांना सामोरे जाण्यात प्रमुख भूमिका निभावतात” या विधानाचे समर्थन करा. १०
- प्र.६ स्त्रियांच्या सबलीकरणास चालना देण्यासाठी, कोणत्याही दोन समकालीन भारतीय स्त्रियांची भूमिका सविस्तर स्पष्ट करा. १०
- प्र.७ “लैंगिक शोषण हे प्रतिकूल परिणामांशी संबंधित आहेत जे पुन्हा बळी पडण्याच्या जोखमीमध्ये बदलू शकतात.” लैंगिक शोषण आणि त्याचे परिणाम या संदर्भात विधानाचे समर्थन करा. १०
- प्र.८ समाजातील लिंगभाव आधारित भूमिकांचा उदय समाजशास्त्रीय दृष्टिकोनातून स्पष्ट करा. १०
- प्र.९ खालीलपैकी कोणत्याही दोहोंवर थोडक्यात लिहा. १०
- अ कामाच्या ठिकाणी केले जाणारे भेदभाव रोखण्यासाठीचे उपाय
- ब लिंगभाव ओळखीवर चित्रपटांचा प्रभाव
- क बालकांचे लैंगिक गुन्हांपासून संरक्षण (पोक्सो) कायदा २०१२, ची कोणतीही तीन वैशिष्ट्ये
- ड लिंगभाव आव्हानांवर मात करण्यासाठी महिला कृती गटांची भूमिका



हिंदी अनुवाद

समय: २ घंटा

अंक: ६०

- प्र.१ “घरेलू हिंसा से महिला संरक्षण अधिनियम, २००५, महिलाओं के अधिकारों के अधिक प्रभावी संरक्षण के लिए एक अधिनियम है।” अधिनियम के प्रावधानों के संदर्भ में समर्थन कीजिए। १०
- प्र.२ लैंगिक समानता और सशक्तीकरण को बढ़ावा देने के लिए सहस्राब्दि विकास के लक्ष्यों को स्पष्ट कीजिये। १०
- प्र.३ समता एवं समानता की अवधारणा को विस्तार से लिखिये। १०
- प्र.४ लिंगभाव पूर्वाग्रह से संबंधित मुद्दों से निपटने के लिए रणनीतियों को स्पष्ट कीजिए। १०
- प्र.५ “पाठ्यक्रम और पाठ्यपुस्तकें लैंगिक चुनौतियों से निपटने में प्रमुख भूमिका निभाती हैं” कथन का समर्थन करें। १०
- प्र.६ महिला सशक्तीकरण को बढ़ावा देने में किन्हीं दो समकालीन भारतीय महिला रोल मॉडलों की भूमिका को विस्तारपूर्वक लिखिए। १०
- प्र.७ “यौन शोषण प्रतिकूल परिणामों से जुड़ा है जो पुनः पीड़ित होने के जोखिम में बदल सकता है।” यौन शोषण और उसके परिणामों के संदर्भ में कथन की पुष्टि कीजिये। १०
- प्र.८ समाज में लिंगभाव विशिष्ट भूमिका के निर्माण में समाजशास्त्रीय परिप्रेक्ष्य को स्पष्ट कीजिये। १०
- प्र.९ निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर संक्षेप में लिखिये। १०
- अ कार्यस्थल पर भेदभाव से निपटने के उपाय
- ब लिंगभाव पहचान पर फिल्मों का प्रभाव
- क बच्चों की यौन अपराधों से सुरक्षा (POCSO) अधिनियम २०१२, की कोई तीन विशेषताएँ
- ड लिंगभाव चुनौतियों पर काबू पाने में महिला कार्य समूहों की भूमिका